

रूबीट्रोल

पौधों की स्वस्थ वृद्धि के लिये बैसिलस प्रजाति बैक्टीरिया

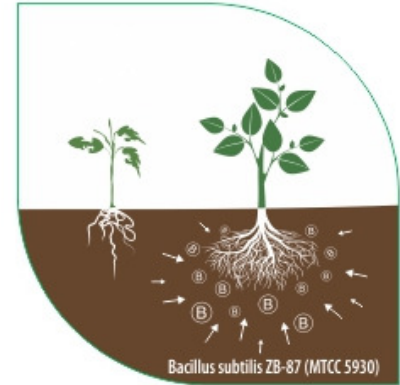
पौधों की स्वस्थ वृद्धि के लिए

संरचना

इस फॉर्मूले में दो खरब (2×10^9) cfu/gm से अधिक संभावित *Bacillus subtilis* उपभेद ZB- 87 मौजूद हैं।

सामान्य जानकारी

- यह पौधों के रोगाणुओं के बीजाणु अंकुरण को अवरुद्ध करता है, रोगाणु नलिका की वृद्धि को रोक देता है, और रोगाणुओं के पौधों के साथ जुड़ने में दखलंदाजी करता है।
- यह पौधों में बीमारी पैदा करने वाले रोगाणुओं जैसे अनसिन्युला प्रजाती, रायझोक्टोनिया, अल्टरनेरिया, फ्यूजेरियम, कोलेटोट्रायकम, सर्कोस्पोरा, स्क्लेरोटिनिया, वर्टीसिलियम, मेक्रोफोमिना, अस्पेरगिलस, पेनिसिलियम, न्युरोस्पोरा, क्लेडोस्पोरियम 4, फायटोथोरा और पीथियम से रक्षा करता है।
- बीमारी प्रकट होने से पहले या शुरुआती चरणों में रूबीट्रोल प्रयोग करने से अधिकतम असरदार नियंत्रण मिलता है।
- जब बीमारी के भारी दबाव के लिए परिस्थितियां अनुकूल हों तब रूबीट्रोल को एकीकृत कीट उपचार कार्यक्रम में शामिल करना सर्वश्रेष्ठ है।



मुख्य लाभ

- फसलों में बीमारियों के वृद्धि और विकास को रोक देता।
- पौधे के प्रतिरक्षा तंत्र को सक्रिय करता है।
- पौधों के प्रतिरक्षा तंत्र को विभिन्न रोगाणुओं से लड़ने में मदद करता है।
- खेतीबाड़ी की फसलों के लिए लाभकारी है।
- कठोर मौसम की परिस्थितियों में भी असरदार है।
- पर्यावरण और किसानों के लिए सुरक्षित है।

plantbiotiX

भंडारण एवं
उपयोग अवधि
निर्माण की तारीख से 2 वर्ष
पैकेजिंग
500 ग्राम, 1 किलोग्राम



अधिक स्वस्थ फसलों और बेहतर उपज के लिए "हां" बोलिए

क्रिया करने की विधि

- यह व्यापक श्रेणी के लाइपोपेप्टाइड प्रतिजैविकों (ईटूरिन, सरफैक्टिन आदि) का उत्पादन करता है जो रोगाणु कोशिका की भित्ति बनने में व्यवधान डालते हैं। ये प्रतिजैविक दूसरे सूक्ष्मजीवों को मारकर या उनकी वृद्धि दर को कम करके उन्हें पछाड़ने में बैक्टीरिया की मदद करता है।
- यह पौधों में बैक्टीरिया रोगाणुओं के विरुद्ध अर्जित प्रतिरोधक क्षमता का विकास करता है।
- यह प्रतिस्पर्धा और तेजी से कालोनी बनानेवाले राइजोस्फीयर बैक्टीरिया हैं, जो जड़ों के पास जगह को घेरकर बीमारी के रोगाणुओं द्वारा आक्रमण करने के लिए कम जगह शेष बचती है।
- पौधों के निःस्त्राव से आहार ग्रहण करता है और बीमारी के रोगाणुओं के एक मुख्य आहार स्रोत से वंचित कर देता है जिससे उनके पनपने और प्रजनन करने की सामर्थ्य बाधित होती है।



संस्तुत फसलें

फलों की फसलें: अंगूर, अनार, केला, नींबूवर्गीय, आम, पपीता, स्ट्राबेरी

सब्जियाँ: टमाटर, आलू, बैंगन, शिमला मिर्च, प्याज, ककड़ी, कद्दू, भिंडी, बंदगोभी, फूलगोभी, तरबूज

नकदी फसलें: कपास, गन्ना, तम्बाकू

फूल: गुलाब, गेरबेरा, गुलनार, गेंदा, गुलदाउदी, रजनीगंधा

अनाज: मक्का, चावल, गेहूँ, जई

दालें: मटर, सोयाबीन, मूँग, उड़द, चने की दाल

तिलहन: मूँगफली, सूरजमुखी



प्रयोग की दर

मिट्टी में प्रयोग के लिए: 1 से 2 किलोग्राम प्रति एकड़

फुहार के रूप में प्रयोग के लिए: 2.5 ग्राम प्रति लिटर

बीजों में प्रयोग के लिए: 5 से 10 ग्राम/एक किलोग्राम बीज

उपयोग हेतु निर्देश

मिट्टी में इस्तेमाल –

बिखेरना – रूबीट्रोल की अनुशंसित जैव-उत्पाद की संस्तुत मात्रा को 50 किलोग्राम अच्छे से अपघटित खेत की खाद / वानस्पतिक खाद में मिलाएं और बुवाई करने से पहले, अंतर-कृषि का आखिरी कार्य करने से पहले खेत में बिखराये।

मज्जन (गीला करना) – आवश्यकता रखने वाले क्षेत्र में पौधों को गीला करने के लिए पौधों की संख्या के अनुसार पानी की मात्रा का हिसाब लगाएं। पानी में रूबीट्रोल की अनुशंसित मात्रा मिलाएं और पौधों की जड़ों के क्षेत्र को गीला करें।

फर्टीगेशन – पूरी तरह से पानी में घुलनशील है जिससे ड्रिप सिंचाई के जरिये आसान इस्तेमाल और मेहनत की बचत का लाभ मिलता है। पानी की भरपूर मात्रा में रूबीट्रोल की अनुशंसित मात्रा मिलाएं और आवश्यकता महसूस करनेवाले क्षेत्रमें छिड़काव करें।

पत्तियों पर छिड़काव – रूबीट्रोल का एक फुहार के रूप में पत्तियों पर छिड़काव किया जाता है। पत्तियों पर पूर्ण रूप से फैलाव के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी इस्तेमाल करें। पत्तियों पर फुहारों की आवृत्ति 7-10 दिन के अंतराल या आवश्यकतानुसार फसल के चरणपर निर्भर करती है।



बीज का उपचार – बीजों को एक समान गीला करने के लिए पानी के घोल के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।